नामांक Roll No.

No. of Questions — 14

No. of Printed Pages — 11

SS—01—Hindi (C) (Supp.)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2013
SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2013

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में निर्धारित शब्द-सीमा में लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्न अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं,
रह भरोसे भाग के, दु:ख भोग पछताते नहीं
काम कितना ही कठिन हो, किन्तु उकताते नहीं
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं ।
हो गए इक आन में, उनके बुरे दिन भी भले
सब जगह, सब काल में, वे ही मिले फूले-फले

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवे बना
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना
जो कि हँस-हँस कर चबा लेते हैं लोहे का चना
है कठिन कुछ भी नहीं जिनके है जी में यह ठना
कोस कितने ही चले पर वे कभी थकते नहीं
कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं ।

काम को आरम्भ करके यों नहीं जो छोड़ते
सामना करके नहीं जो, भूलकर मुँह मोड़ते
जो गगन के फूल बातों से, वृथा नहीं तोड़ते
बन गया हीरा उन्हीं के हाथ से है कारबन
काँच को करके दिखा देते हैं वे उज्ज्वल रतन ।

(अ) वीरों की दो विशेषताएँ लिखिए । 2

(ब) किस प्रकार के व्यक्ति जीवन में पश्चाताप करते हैं ? 2

(स) ''कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं'' पंक्ति का आशय लिखिए । 2

(द) 'काम को आरम्भ करके यों नहीं जो छोड़ते'
इस पंक्ति में निहित सन्देश लिखिए । 2

2. निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

आधुनिक मानव समाज में एक ओर विज्ञान को भी चकित कर देने वाली उपलब्धियों से निरंतर विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर मानव मूल्यों का ह्रास होने से समस्या उत्तरोत्तर गूढ़ होती जा रही है । अनेक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का शिकार आज का मनुष्य विवेक और ईमानदारी को त्याग कर भौतिक स्तर से ऊँचा उठने का प्रयत्न कर रहा है । वह सफलता पाने की लालसा में उचित और अनुचित की चिंता नहीं करता । उसे तो बस साध्य को पाने की प्रबल इच्छा रहती है । ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए भयंकर अपराध करने में भी संकोच नहीं करता । वह इनके नित नये-नये रूपों की खोज करने में अपनी बुद्धि का अपव्यय कर रहा है । आज हमारे सामने यह प्रमुख समस्या है कि इस अपराध वृद्धि पर किस प्रकार रोक लगाई जाए ।

(अ) मानव-जीवन में समस्याएँ किस कारण बढ़ रही हैं ? 2

(ब) भयंकर अपराध क्यों किए जा रहे हैं ? 2

(स) 'सामाजिक' में प्रयुक्त मूल शब्द व प्रत्यय लिखिए । 2

(द) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

खण्ड - ख

3. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 10

(अ) भ्रष्टाचार के रूप अनेक

(ब) युवकों में बढ़ती स्वच्छन्दता

(स) इन्टरनेट से लाभ और हानियाँ

(द) समाचार पत्रों की उपयोगिता ।

4. अपने शहर के 'पार्कों की दुर्दशा' **अथवा** 'एक आँखों देखी दुर्घटना' पर समाचार पत्र को भेजने हेतु एक रिपोर्ट लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

5. निम्न में से किसी **एक** विषय पर आलेख लिखिए : (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

(अ) पारंपरिक जल स्रोत

(ब) पेट्रोल की बढ़ती कीमतें

(स) जीवन में मोबाइल फोन का महत्त्व ।

6. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर फीचर लिखिए :

(उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

(अ) महानगरों का जीवन

(ब) विज्ञापन की दुनिया

(स) स्कूल का वृक्षारोपण कार्यक्रम

(द) गाँवों में साक्षरता अभियान ।

खण्ड - ग

7. निम्न पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

(अ) कवि ने नीले शंख की तुलना किस-से की है ? 2

(ब) चौके के गीले होने का प्रतीकार्थ लिखिए । 2

(स) कवि 'काली सिल' और 'स्लेट' के माध्यम से किस दृश्य का चित्रण करना चाहता है ? 2

(द) 'जादू टूटता है इस उषा का अब' इस पंक्ति का आशय लिखिए । 2

अथवा

निम्न पठित काव्यांश को ध्यान-पूर्वक पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मूलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके —
दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज़ उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके -
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके -
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाज़ुक दुनिया ।

(अ) कवि ने प्रात:काल की तुलना किस-से की है ? 2

(ब) कवि के अनुसार शरद ऋतु का आगमन किस तरह होता है ? लिखिए । 2

(स) आकाश को इतना मुलायम किसने बनाया और क्यों ? 2

(द) 'तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया' पंक्ति का आशय लिखिए । 2

8. निम्न पठित काव्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती-बँधी बगुलों की पाँखें ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । 2

अथवा

निम्न पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ ॥
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ ॥

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों का भाव-सौन्दर्य लिखिए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । 2

9. पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द)

(अ) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा' प्रसंग में राम की व्याकुलता को लिखिए । $1\frac{1}{2}$

(ब) 'बादल राग' कविता में निराला की सहानुभूति किस वर्ग की तरफ है ? लिखिए । $1\frac{1}{2}$

(स) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए । $1\frac{1}{2}$

10. निम्न पठित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

लेकिन इस बार मैंने साफ़ इनकार कर दिया । नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेढ़क-मण्डली पर । जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गई उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा । शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया । मुँह फेर कर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं । पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया । पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, ''देख भइया रूठ मत । मेरी बात सुन । यह सब अंधविश्वास नहीं है । हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इन्द्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे ?'' मैं कुछ नहीं बोला । फिर जीजी बोली । ''तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है । यह पानी का अर्घ्य चढ़ाना है, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे ?''

(अ) लेखक ने किस बात के लिए इनकार किया ? 2

(ब) 'मेढ़क-मण्डली' शब्द किनके लिए प्रयुक्त हुआ है ? 2

(स) जीजी ने मेढ़क मण्डली पर पानी फेंकने के पक्ष में क्या तर्क दिए ? 2

अथवा

निम्न पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द)

शिरीष के तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं । इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आप में सत्य नहीं हैं ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था । क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है । गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था । मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब-तब हूक उठती है — हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !

(अ) लेखक ने शिरीष की तुलना अवधूत से क्यों की है ? 2

(ब) शिरीष के फलों एवं फूलों में क्या अन्तर है ? 2

(स) गाँधी और शिरीष में क्या समानता दिखाई गई है ? 2

11. पठित गद्य पाठों की विषयवस्तु पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द)

(अ) लेखक ने बाजार को मानवता-विरोधी कहा है, क्यों ? पठित पाठ के आधार पर समझाइए । 3

(ब) 'भक्तिन के ससुराल वालों का व्यवहार उसके साथ क्रूरता एवं अमानवीयता का द्योतक है ।' इस कथन को समझाइए । 3

(स) जन्मजात धन्धों में कार्यरत युवक कार्यकुशल क्यों नहीं बन पाते ? 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए । 3

(द) भारतीयों और पाकिस्तानियों में पायी जाने वाली समानताओं को 'नमक' कहानी के आधार पर लिखिए । 3

खण्ड - घ

12. पाठों की विषय वस्तु पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द)

(अ) 'यशोधर बाबू के व्यक्तित्व का निर्माण करने में किशन दा का अपूर्व योगदान रहा है ।' समझाइए । 3

(ब) 'जूझ' कहानी के 'राव' साहव की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । 3

(स) ऐन फ्रेंक का परिचय देते हुए उसकी डायरी की प्रसिद्धि का कारण लिखिए । 3

13. निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द)

(अ) मुअनजो-दड़ो तथा हड़प्पा की ईंटों का अन्तर लिखिए । $1\frac{1}{2}$

(ब) स्कूल में पहुँचने पर लेखक का मन खट्टा हो गया, क्यों ? 'जूझ' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए । $1\frac{1}{2}$

(स) भूषण ने अपने पिता को उपहार में गाउन लाकर क्यों दिया ? 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर लिखिए । $1\frac{1}{2}$

14. विषयवस्तु पर आधारित निम्न निबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए :

(उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द)

(अ) 'युद्ध के दौरान आम जन-जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था ।' 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर समझाइए । 3

(ब) 'अतीत में दबा पाँव' पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो के नगर-नियोजन की विशेषताएँ लिखिए । 3